वर्ष 26 अंक 85
पृष्ठ 20+8+4=32
नई दिल्ली, शनिवार
10 अक्टूबर 2015
राजधानी
मूल्य ₹5.00

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

केजरीवाल ने घूस मांगने वाले मंत्री को बर्खास्त किया 3

आज दुनिया देखेगी विजेंद्र के मुक्के

संस्कार ही है व्यक्तित्व की असली पहचान

जागरण संस्कारशाला
शिक्षा में संपूर्णता

जागरण संवाददाता, बाहरी दिल्ली : दैनिक जागरण की संस्कारशाला के तहत शुक्रवार को पीतमपुरा के एमएम पब्लिक स्कूल में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर संस्कृत के वेदांताचार्य काका हरिओम ने छात्र-छात्राओं को नैतिक मूल्य व संस्कार विषय से जुड़ी कई महत्व जानकारी दी। शिक्षा जगत से लंबे समय से जुड़े हरिओम ने बच्चों को नैतिकता की परिभाषा, उसके महत्व व उसे व्यावहारिक रूप से प्रयोग में लाने के बारे में बताया। साथ ही बदलते परिवेश में नैतिकता के मापदंडों में बदलाव से अवगत कराया। इस दौरान स्कूल की प्रधानाचार्य रोमा पाठक ने भी बच्चों को नैतिकता और संस्कार के बल पर सफलता को प्राप्त करने के मंत्र बताए। उन्होंने दैनिक जागरण की इस पहल और प्रयास की भी सराहना की।

इस अवसर पर आठवीं और नौवीं की कक्षा के छात्र-छात्राओं के बच्चों से परिचर्चा करते हुए वेदांताचार्य काका हरिओम ने कहा कि नैतिकता और संस्कार ही हमारे व्यक्तित्व की पहचान होते हैं। इनकी नींव परिवार, समाज और स्कूल में पड़ जाती है। इसी आधार पर हम बड़े होकर अपने व्यक्तित्व का निर्माण कर सुयोग्य व्यक्ति बनते हैं। उन्होंने बच्चों को यही बताया कि विद्यार्थियों के भीतर बहुत ज्ञान समाया होता है, बस उसे जरूरत होती है उभारने की। इस बारे में उन्हें समझना होगा कि वह अपने ज्ञान को कैसे विकसित करें और आगे बढ़ें। इस दौरान बच्चों में इस कार्यशाला को लेकर काफी उत्साह और जिज्ञासा को देखा गया।

संस्कारशाला के तहत पीतमपुरा स्थित एम एम पब्लिक स्कूल में कार्यशाला के दौरान छात्र-छात्राओं को संबोधित करते वेदांताचार्य काका हरिओम।

बच्चों को बताए नैतिकता व संस्कार के बल पर सफलता प्राप्त करने के मंत्र

इस कार्यशाला में शामिल होना मेरे लिए काफी अच्छा रहा। मैंने यही सीखा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए संस्कार बहुत जरूरी है। मुश्किलें तभी तक होती हैं जब तक हमें उनकी पहचान नहीं होती। पहचान होते ही वे दूर हो जाती हैं।

-अनन्या पांडेय, कक्षा-8

काका हरिओम ने हमें जीने के नैतिक मूल्यों को सिखाया। उन्होंने बताया कि जिंदगी बहुत छोटी है और लक्ष्य बहुत बड़े हैं। हमें कभी भी धैर्य नहीं खोना चाहिए। नैतिक मूल्यों को कभी भी नहीं छोड़ना चाहिए।

-मितिंद गुप्ता, कक्षा-9

इस कार्यशाला से हमें कई पौराणिक और ऐतिहासिक कहानियों के बारे में समझने का अवसर मिला। उनसे जुड़ी नई बातें जानना काफी दिलचस्प था।

-भाविक वलेचा
कक्षा-8

इस लेक्चर से हमने धर्म की परिभाषा सीखी। हमें दुनिया को नए नजरिये से देखना चाहिए। हमारा नजरिया ही हमें आगे बढ़ने में मदद करता है।

-छवि वत्स, कक्षा-8